

## भूजल संरक्षण

### प्रलिस के लयः

हरतऱ क्रांती, राषुडरीय सकल घरेलू उत्पाद, नऱूनतम समरुथन मूल्य, यूनेस्को

### मेनुस के लयः

भूजल की कमी का कारण और इसके प्रभाव

## चरुा में कुऑं?

भारत सचऱई के लयः मुख्य रूप से भूजल पर नरुिभर है और यह भूजल की कुल वैशुवकऱ मातुरा के एक बड़े हसऱसे का उपयोग कर रहा है । भारत में लगभग 70% खादुय उत्पादन नलकूपों (सचऱई के लयः प्रयुक्त कुऑं) की मदद से कयऱा जाता है ।

- हालौंक भूजल पर यह अतुयधकऱ नरुिभरता भूजल संकट को जनम दे रही है । भूजल संरकुषण हेतु एक समगुर कारुययोजना की आवशुयकता है ।

## प्रमुख बऱदु

- [यूनेस्को](#) की वशुव जल वकऱस रऱऱरुड, 2018 के अनुसऱर, भारत वशुव का सबसे बड़ा भूजल उपयोग करने वाला देश है ।
  - भारत में सचऱई के लयः कुऑं के नरुऱमाण हेतु कऱसी मंजुरी की आवशुयकता नही होती है और बंद पड़े या सचऱई में प्रयोग न होने वाले कुऑं का कोई रकऱरुड नही रखा जाता है ।
    - भारत में प्रतऱदऱनऱ कऱई सौ कुऑं का नरुऱमाण कयऱा जाता है और जल सूखने पर छोड़े जाने वाले कुऑं की संखुया और भी अधकऱ है ।
  - [राषुडरीय सकल घरेलू उत्पाद](#) में भूजल के योगदान को कभी भी मापा नही जाता है ।
  - केंदुरीय भूजल बऱरुड (सीजीडबलुयूबी, जल शकुतऱ मंत्रालय) के अनुसार, भारत में कृषऱ भूमऱ की सचऱई हेतु हर वरुष 230 बलऱयऱन मीटर क्युबकऱ भूजल का उपयोग होता है, देश के कऱई हसऱसों में भूजल का तेजुी से कुषरण हो रहा है ।
    - भारत में कुल अनुमानतऱ भूजल की कमी 122-199 बलऱयऱन मीटर क्युबकऱ की सीमा में है ।
- **भूजल की कमी का कारण:**
  - सीमऱतऱ सतही जल संसाधनों के साथ घरेलू, औदुयोगकऱ और कृषऱ जुररुतों की बढती मांग ।
  - कठऱर चटुडऱनी भूभाग के कारण सीमऱतऱ भंडारण सुवधऱओं के साथ ही वरुषा की कमी के अतरऱरऱकऱत भूजल का नुकसान, वशुष रूप से मधुय भारतीय राजुयों में ।
  - [हरतऱ क्रांती](#) के कारण सूखा प्रवण/पऱनी की कमी वाले कुषेत्रों में जल गहन फसलों को उगऱने की जुररुतों पर बल देना, जसऱसे भूजल का अतुयधकऱ दोहन हुआ ।
    - इससे जल की पुनः प्रतऱ कयऱऱ बऱना ज़मीन से पऱनी को बार-बार पंप करने से भूजल की मातुरा में तुररतऱ कमी आती है ।
  - पऱनी की अधकऱ खपत वाली फसलों के लयः बजऱली और उचुच [नऱूनतम समरुथन मूल्य](#) पर सबसऱडी ।
  - लैंडफऱलऱ, सेपुटकऱ टैंक, भूमगऱत गैस टैंक से रसऱव और उरुवरकों एवं कीटनाशकों के अतुयधकऱ प्रयोग से भूजल संसाधनों की कुषतऱ तऱथा कमी के कारण होने वाला जल प्रदूषण ।
  - बऱना कऱसी हरजऱने के भूजल का अपरुयापुत वनऱयऱमन भूजल संसाधनों के अधकऱ उपयोग को प्रऱतुसाहऱतऱ करता है ।
  - वनों की कटऱई, कृषऱ के अवैजुजऱनकऱ तुरीके, उदुयोगों के रासायनकऱ अपशऱषऱट, सुवकुषुतता की कमी से भी भूजल प्रदूषण होता है, जसऱसे यह अनुपयोगी हो जाता है ।
- **भूजल की समसुया और महलऱओं पर इसका प्रभाव:**
  - महलऱऱएँ सचऱतऱ कृषऱ में कृषऱ शरुम शकुतऱ का बड़ा हसऱसा होती है लेकनऱ इस प्रकरऱ के नवऱश में उनकऱ कोई नरुऱणऱयक भूमकऱ नही होती है ।
  - इसके अलावा भूमऱ के अपने अधकऱर, प्रऱकृतकऱ संसाधनों और बैकों तक पहुँच में कमी, उनके पास इस अनुयाय से लड़ने के लयः आवशुयक कऱनुनी समरुथन नही है ।
  - हालौंक महलऱऱएँ भूजल संकट से पहले उतुतरदातऱओं के रूप में उभरी हैं और पीने के पऱनी की कमी को दूर करने, वैकलुपकऱ आजीवकऱ खोजने तऱथा कृषऱ एवं परवऱर के जल नरुऱवहन के लयः ज़मऱमेदार हैं ।
- **भूजल संरकुषण हेतु सरकारी पहल:**

- अटल भूजल योजना
- राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण और प्रबंधन कार्यक्रम

## आगे की राह:

### ■ भूजल संरक्षण में महिलाओं की बढ़ती भूमिका:

- फसल योजनाओं, पानी की मांग और 'क्रॉप फुटप्रिंट' पर महिलाओं का नरिणय पुरुषों से अलग है।
- चपिको आंदोलन के दौरान महिलाओं और पुरुषों द्वारा वपिरीत मूल्यों पर आधारति प्रदर्शन कया गया। महिलाओं ने परयावरण की रक्षा में मदद करने के लयि पेड़ों की कटाई पर पूरण प्रतबिंध से कम की मांग नहीं की, जबकि उनके पुरुष समकक्षों ने आजीविका के बदले नयितरति 'लॉगिंग' को सवीकार कया।
- चपिको आंदोलन ने महिला समूहों को सामाजकि न्याय, शकिषा, सवास्थ्य, महिलाओं के खलिाफ अपराध और अन्य स्थानीय मुद्दों से जुड़ी रोजमर्रा की चतिाओं पर बोलने तथा अधिकारियों का सामना करने के लयि प्रेरति कया।

### ■ वनियमति पंपगि:

- अनुमोदति फसल योजना के आधार पर प्रत्येक खेत के लयि भूजल पंपगि को सीमति करना।
- नदी बेसनि तक की वभिन्नि इकाइयों में वार्षकि भूजल लेखा परीक्षा आयोजति करना।

### ■ स्थानीय शासन का प्रवर्तन:

- ज़मीनी सतर पर लोकतंत्र को फरि से स्थापति करने, स्थानीय संस्थानों को मज़बूत करने और स्थानीय शासन का प्रयोग करने से भूजल संरक्षण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- पूरी मूल्य शृंखला के प्रबंधन हेतु ज़मिमेदार महिलाओं की समान भागीदारी के साथ गाँवों में छोटे कसिनों को पंजीकृत नकियों के रूप में संगठति करना।

## स्रोत- डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/groundwater-conservation>

